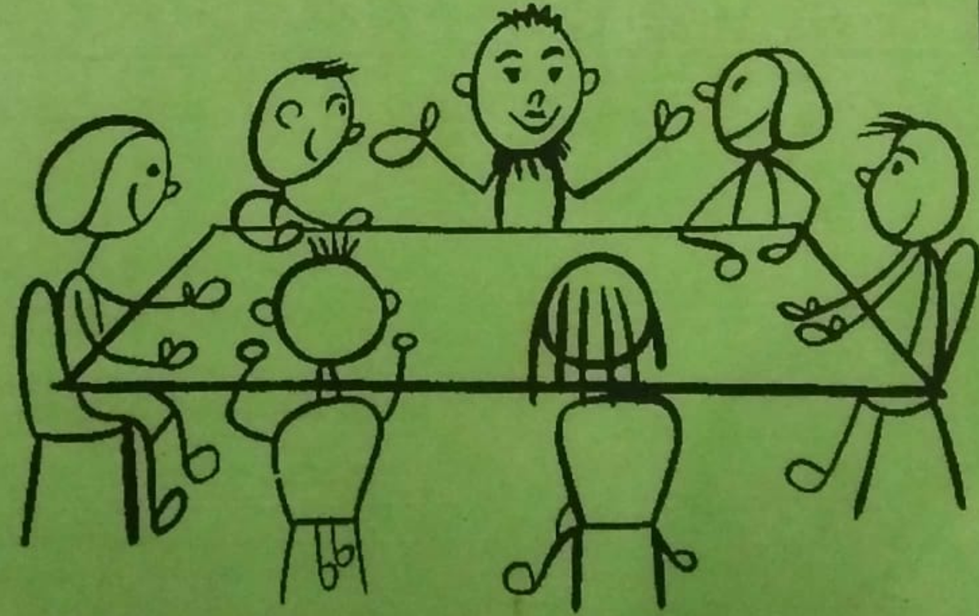


संयुक्त राष्ट्र के तीन वादे

मनरो लीफ



संयुक्त राष्ट्र के तीन वादे : मनरो लीफ
Three Promises to You : *Munro Leaf*
अनुवाद : अरविन्द गुप्ता

रेखांकन : मनरो लीफ
लेजर ग्राफिक्स : अभय कुमार झा

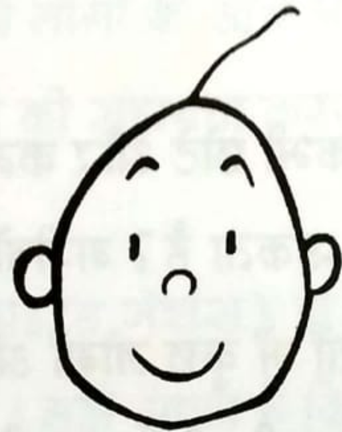
प्रकाशन वर्ष : नवम्बर, 2000

मूल्यः 8.00 रु.
Price : Rs.8.00

इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के सहयोग से किया है। जन वाचन आंदोलन के तहत प्रकाशित इन किताबों का उद्देश्य गाँव के लोगों और बच्चों में पढ़ने-लिखने की रुचि पैदा करना है।

जनवाचन बाल पुस्तकमाला के तहत भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा प्रकाशित
Bharat Gyan Vigyan Samithi
Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block
Saket , New Delhi - 110017
Phone : 011 - 6569943
Fax : 91 - 011 - 6569943
email: kkkumar@giasdl01.vsnl.net.in
Printed at Progressive Printers, Delhi.

संयुक्त राष्ट्र के तीन वादे



मनरो लीफ

दुनिया के सभी बच्चों के लिए –

यह कितनी शर्मनाक बात है कि कुछ देश एक–दूसरे के साथ लड़ाई करते हैं। इसमें लोग मारे जाते हैं और कितने ही घर तबाह होते हैं। युद्ध के कारण लाखों–करोड़ों लोगों को डर के साए में जीना पड़ता है।

यह कितनी दुख की बात है कि कभी–कभी छोटे और कमज़ोर देशों को बड़े और शक्तिशाली देश डराते और धमकाते हैं। उन्हें कौन रोक सकता है? गरीबों को कौन न्याय दिला सकता है?

क्या यह शर्म की बात नहीं है सभी देशों में कुछ लोगों और कुछ देशों में लगभग सभी लोगों को भरपेट खाना नहीं मिलता है और वो बीमारी और लाचारी के कारण अंत में मर जाते हैं?

इस पुस्तक के दूसरे चित्र को गौर से देखें। इस चित्र में बहुत से देशों के लोग संयुक्त राष्ट्र में एक साथ बैठे हैं। वो इन समस्याओं का हल खोज रहें हैं। जिससे दुनिया में युद्ध समाप्त हो और सभी लोगों के साथ सही बर्ताव हो। जिससे सभी लोगों को अधिक और बेहतर खाना मिले और दुनिया

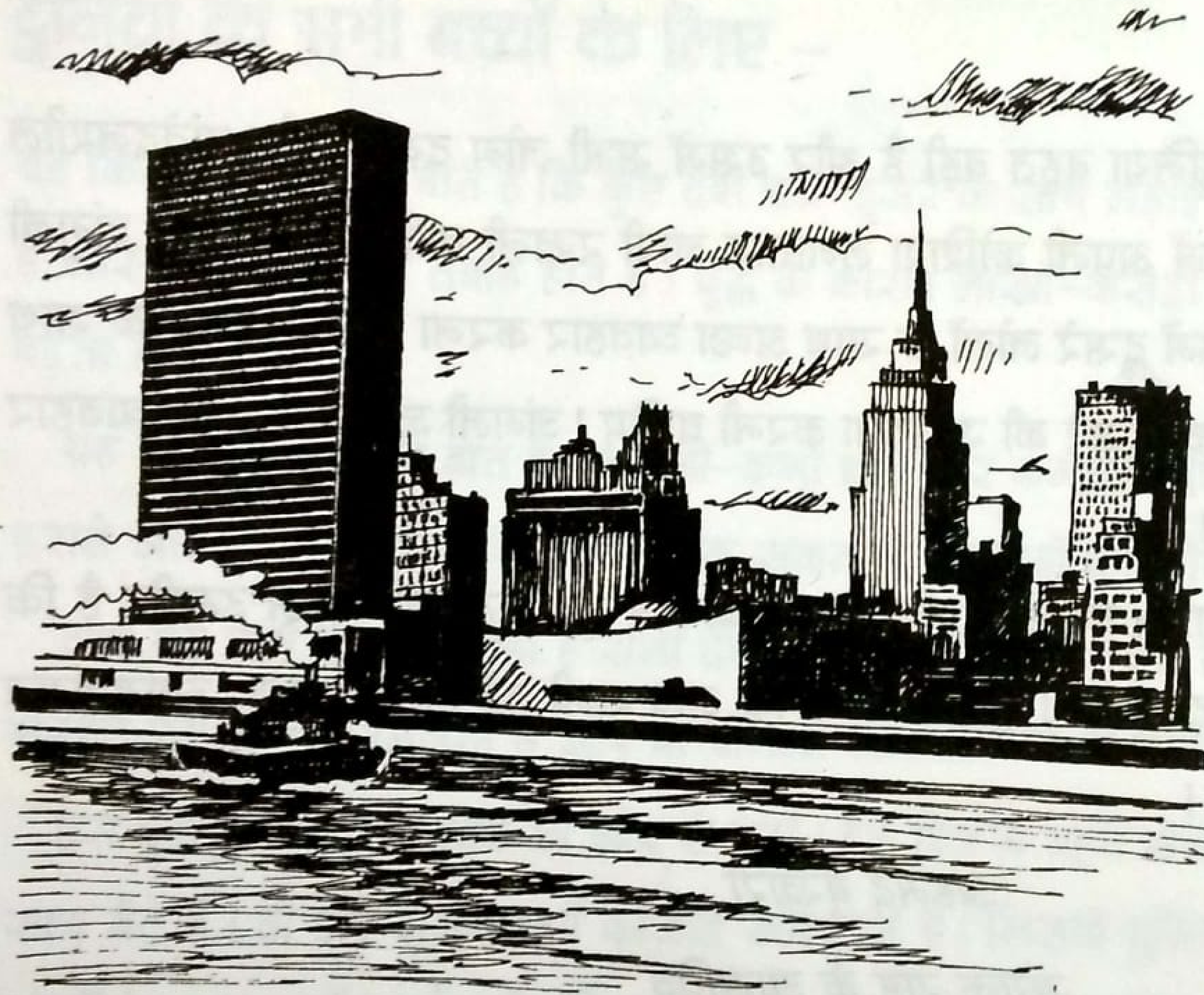
में बीमारियां कम हों।

यह एक मुश्किल काम है। दुनिया बहुत बड़ी है और उसमें सभी लोग दयालू और संवेदनशील नहीं हैं। परंतु इसके बाद भी हमें अपनी कोशिश लगातार ज़ारी रखनी चाहिए। हम लोग जंगली जानवरों से बेहतर हैं इसलिए हमें दूसरे लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। हमें एक साथ मिलकर सोचना चाहिए और एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए। जंगली जानवरों जैसा व्यवहार मनुष्यों को शोभा नहीं देता है।

यह पुस्तक आपको संयुक्त राष्ट्र (यूनाइटेड नेशंस) के बारे में कुछ बताएगी। मुझे उम्मीद है कि आपको इसके चित्र अवश्य पसंद आएंगे। मुझे आशा है कि आप सभी बड़े होकर सभ्य, न्यायसंगत और शांतिप्रिय नागरिक बनेंगे।

अहमद बुखारी

संयुक्त राष्ट्र के उपसचिव



अमरीका में एक शहर है
न्यूयार्क।
यह प्रशांत सागर के तट पर
बसा है।
यहां पर एक बहुत बड़ी
और सुंदर इमारत है।
यह इमारत

आप

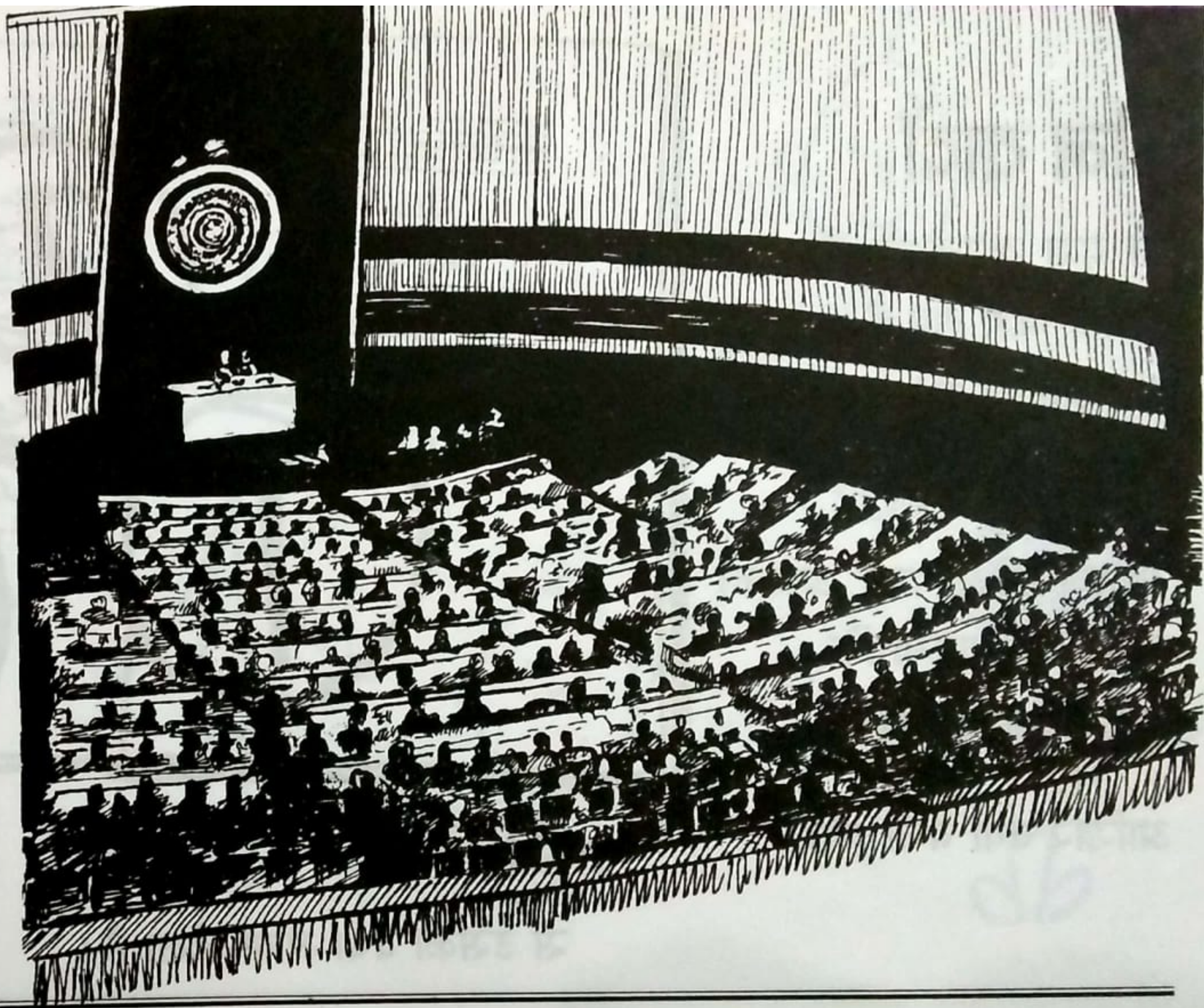
की भी उतनी ही है,
जितनी दुनिया में
किसी और की है।

इस इमारत के अंदर
महिलाएं और पुरुष काम
कर रहे हैं

आप

के लिए।

दिन-रात हजारों लोग
सारी दुनिया में उनकी
मदद कर रहे हैं.....



उन

तीन वादों

को पूरा करने के लिए जो आपसे किए गए हैं।

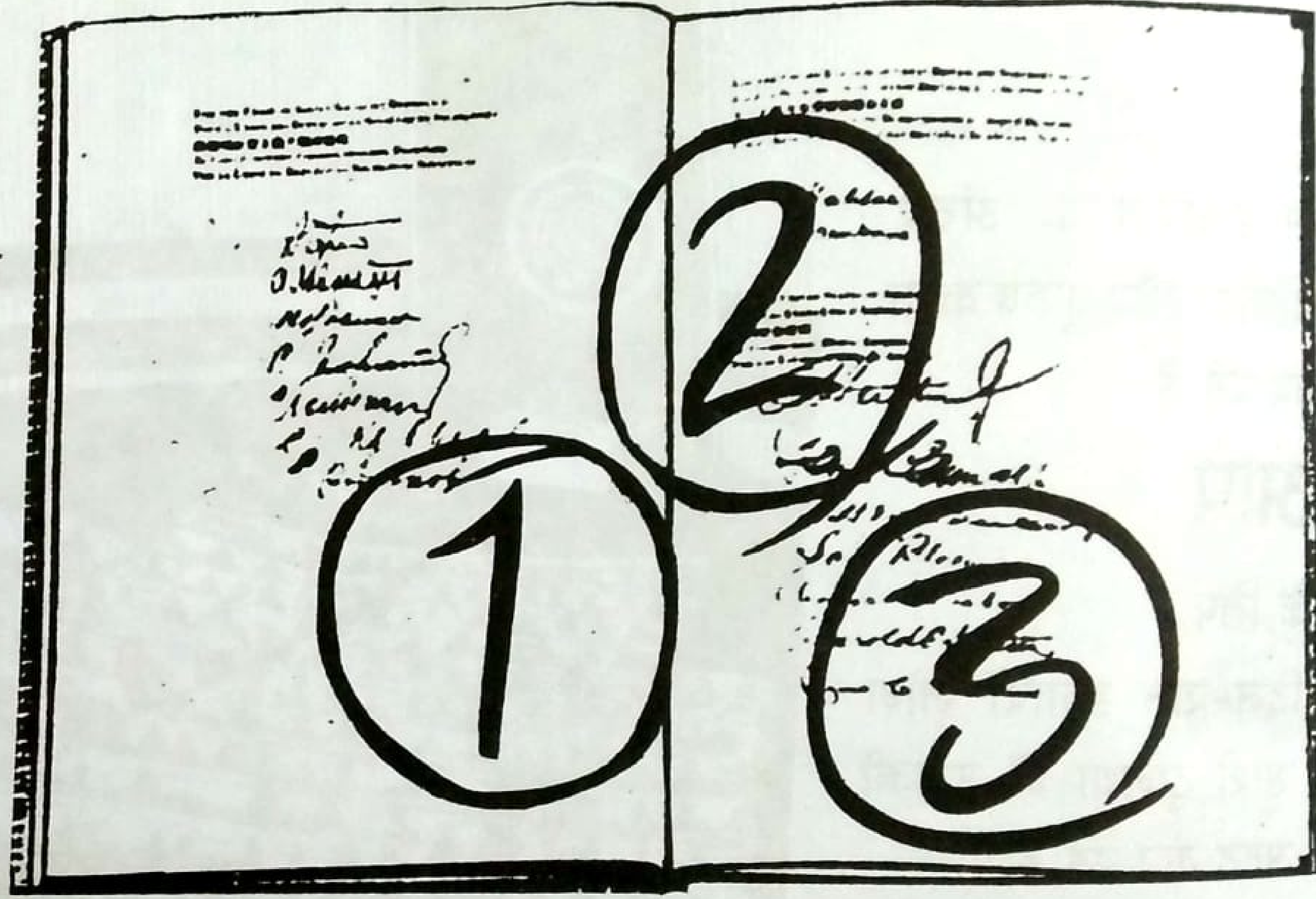
जब आपको ये

तीन वादे

मालूम होंगे, तब आपको समझ में आएगा कि

संयुक्त राष्ट्र

आखिर क्यों बना और



आप

से उसका क्या लेना-देना है।

परंतु पहले ज़रा

आप

के बारे में कुछ और बातचीत करें।

आप

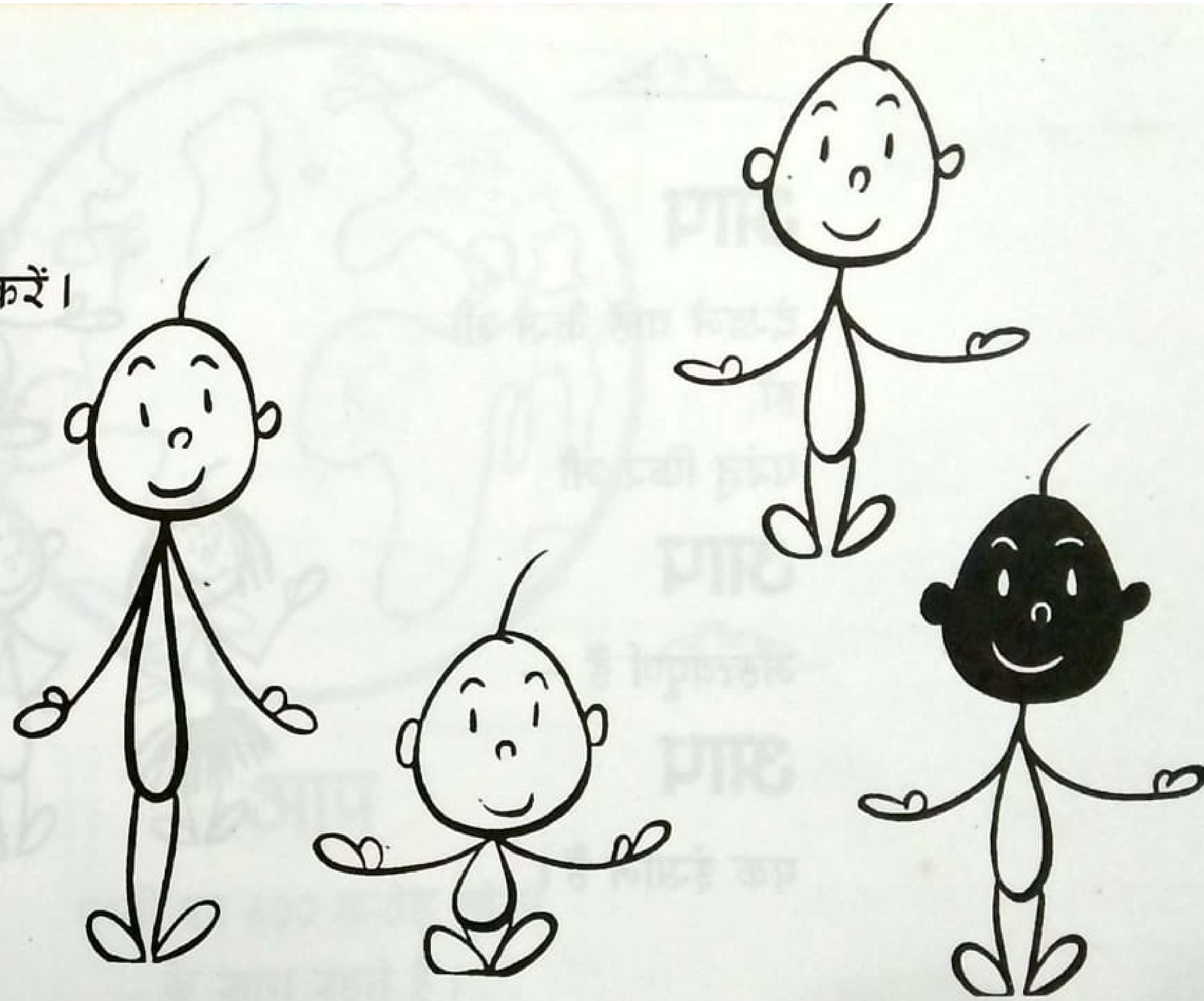
चाहें ऊंचे और पतले हों या

आप

छोटे और मोटे हों।

आप

चाहें काले हों या सांवले रंग
के हों।



आप

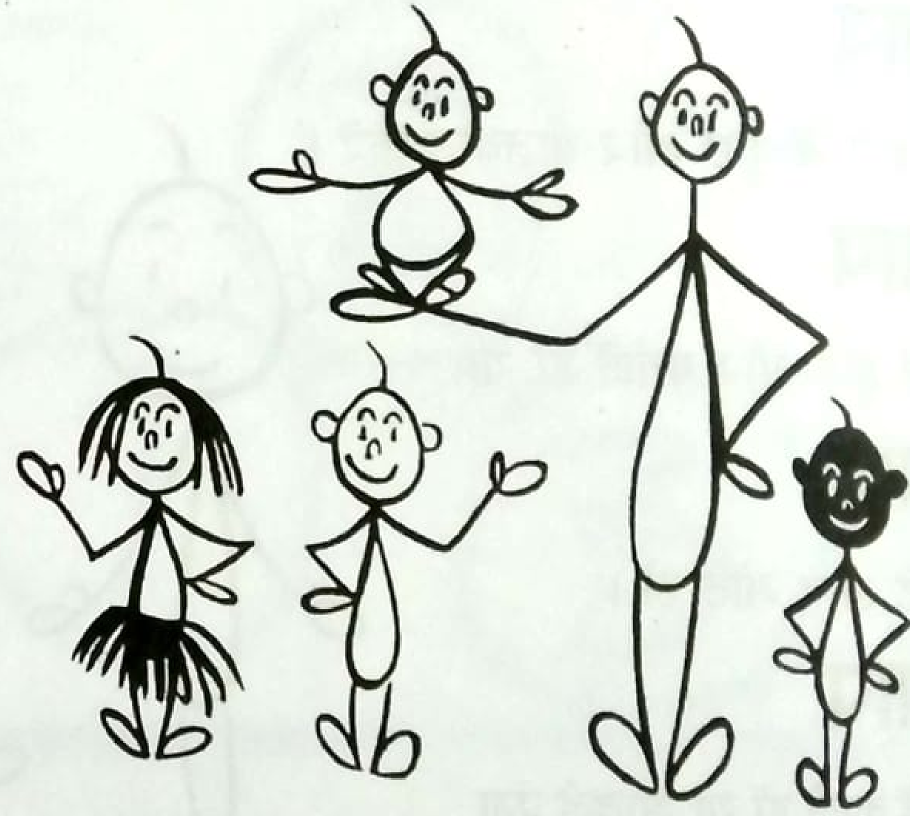
देखने चाहें कैसे भी
हों,
परंतु फिर भी

आप

महत्वपूर्ण हैं —

आप

एक इंसान हैं।





आप

पृथ्वी पर 600 करोड़ लोगों
के साथ रहते हैं।

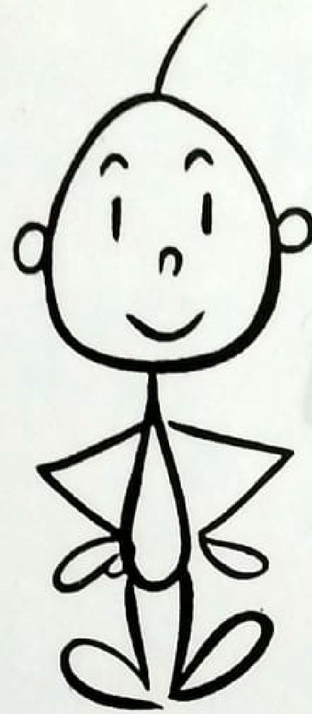
आप

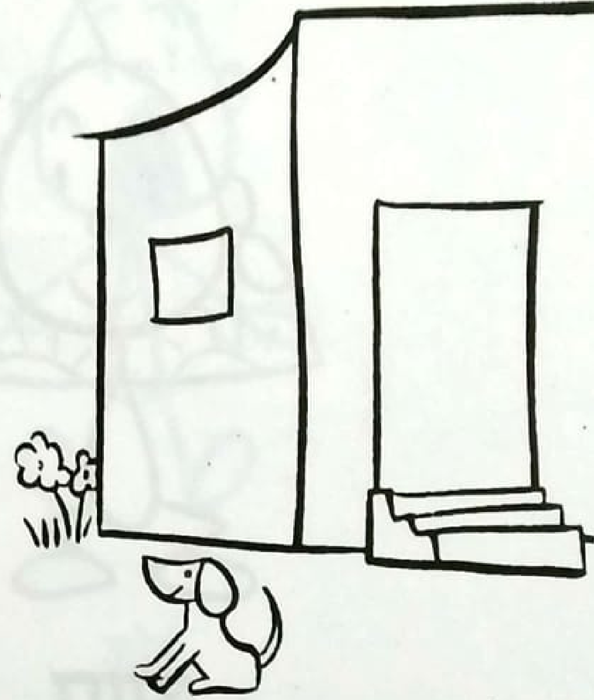
के बारे में हम कई और
बातें भी जानते हैं।



आप

अच्छा भोजन खाने के
शौकीन हैं।





और

आपको एक साफ-सुथरे

घर में रहना पसंद है।



आप

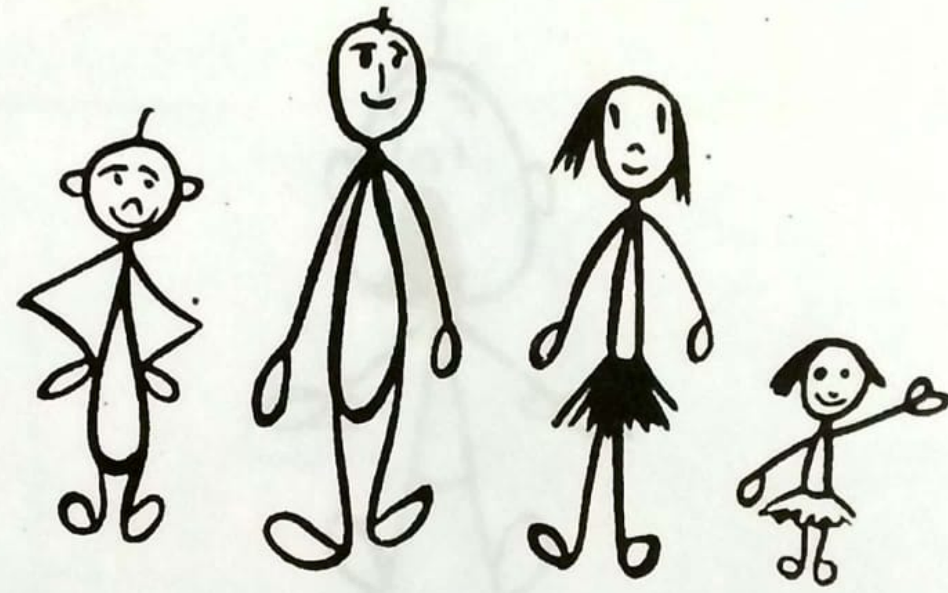
को एक खुशहाल, सेहतमंद
जिंदगी जीना पसंद है।
क्यों ठीक है न?



कोई

आपको

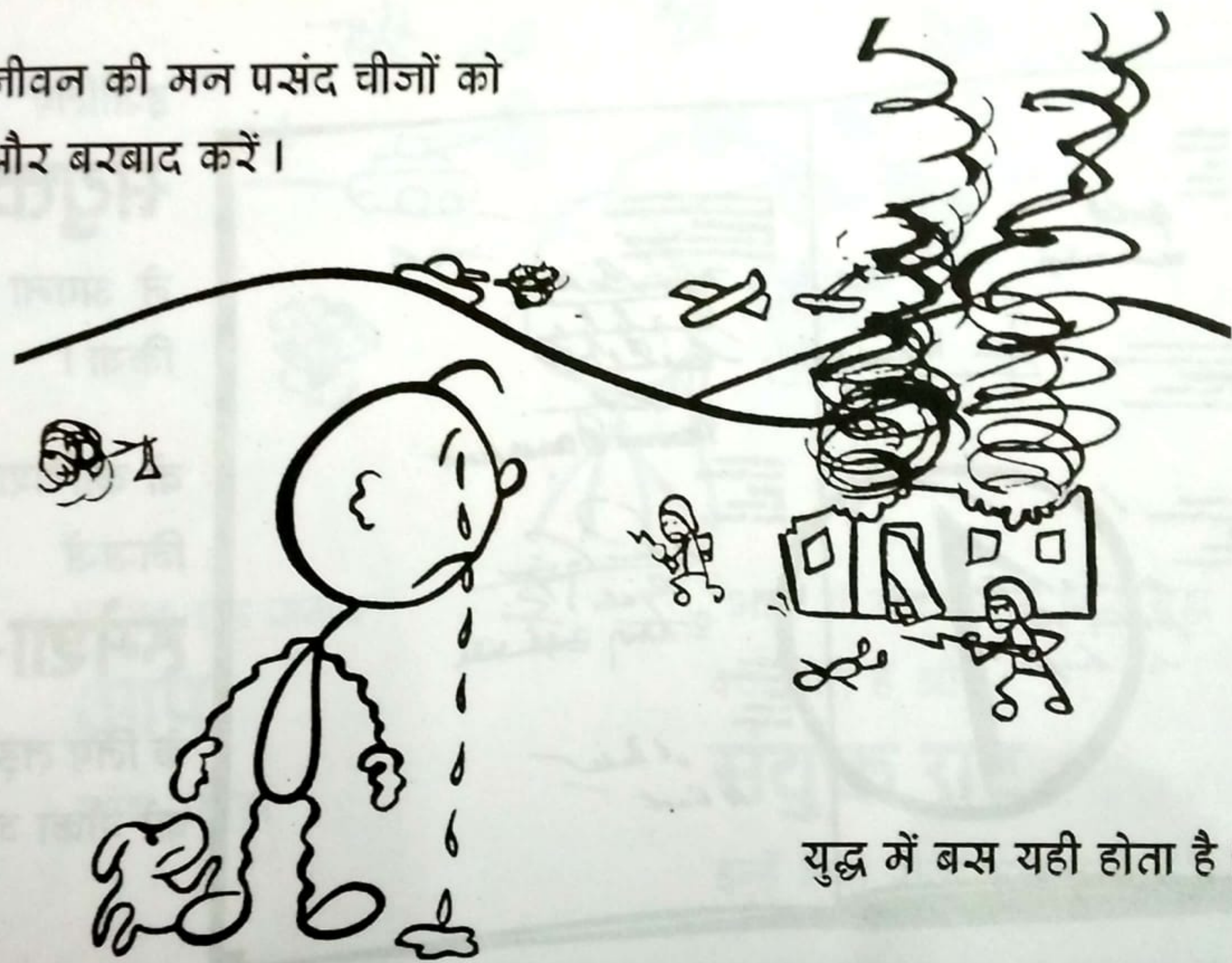
डराए या धमकाए इससे आपको
सख्त नफरत है।



आप

यह सोच भी नहीं सकते
कि कुछ लोग आकर
आपको, आपके परिवार और
दोस्तों को नुकसान पहुंचाएं।

और आपके जीवन की मन पसंद चीजों को
तोड़ें-मरोड़ें और बरबाद करें।



युद्ध में बस यही होता है।

इसीलिए

संयुक्त राष्ट्र

ने अपना पहला वादा किया।

वो कोशिश करेंगे जिससे

हमेशा-हमेशा

के लिए लड़ाई और जंग को रोका जा सके।



शायद इस समय

आप

सोच रहे हों

"भला ये सब लड़ाई और युद्ध
क्यों होते हैं और

संयुक्त राष्ट्र

इन्हें कैसे रोक सकता है?"



युद्ध शुरू होने का शायद एक कारण है —देशों का एक दूसरे से भयभीत होना।

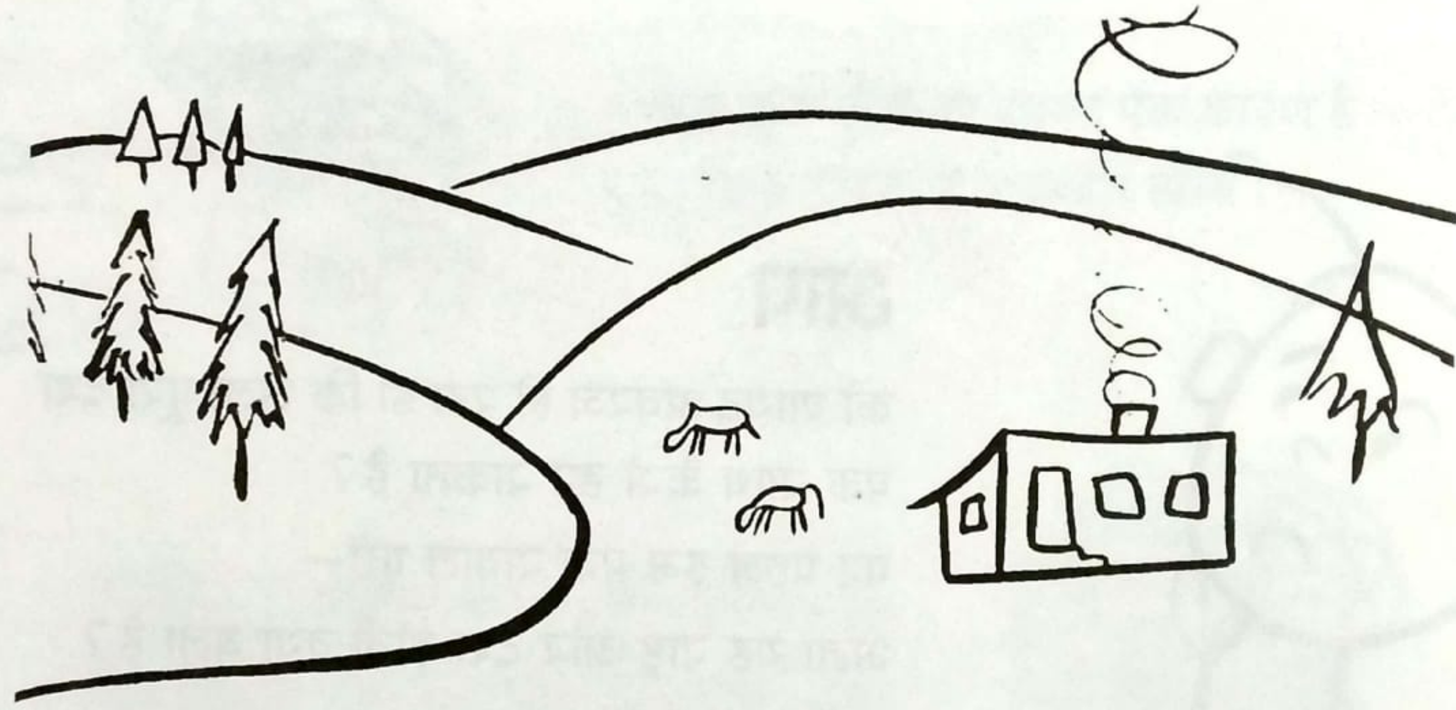
सभी जगह अमन-चैन हो और युद्ध बंद हो इस बात की कई देश कल्पना भी नहीं कर सकते। इसीलिए ये देश एक-दूसरे पर हमला करते हैं।





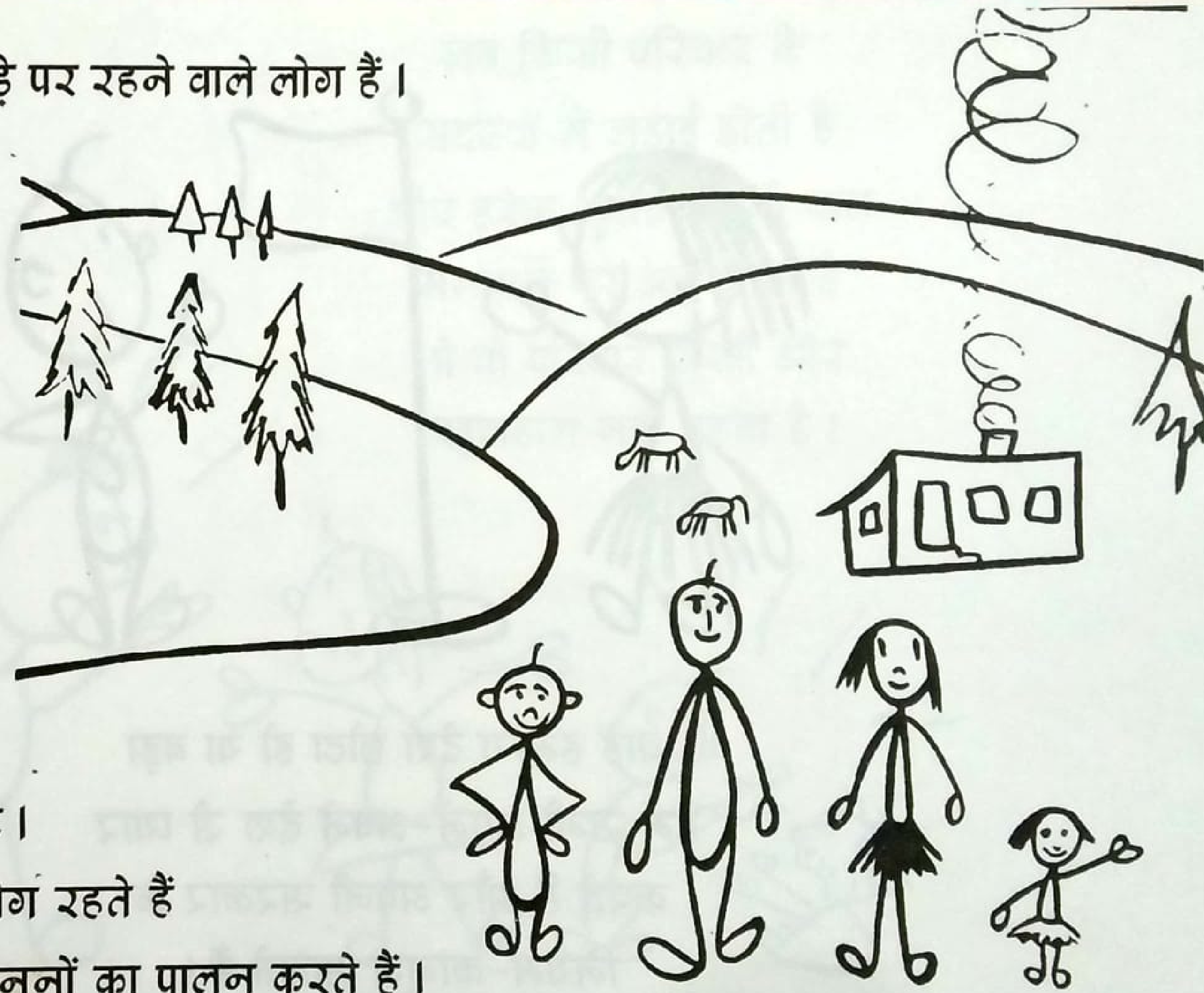
आप

को शायद अचरज हो रहा हो कि भला पूरा देश
एक साथ कैसे डर सकता है?
पर पहले हम एक सवाल पूछें—
भला यह राष्ट्र और देश होती क्या बला है?



क्या वो एक ज़मीन का टुकड़ा है।

और उस जमीन के टुकड़े पर रहने वाले लोग हैं।

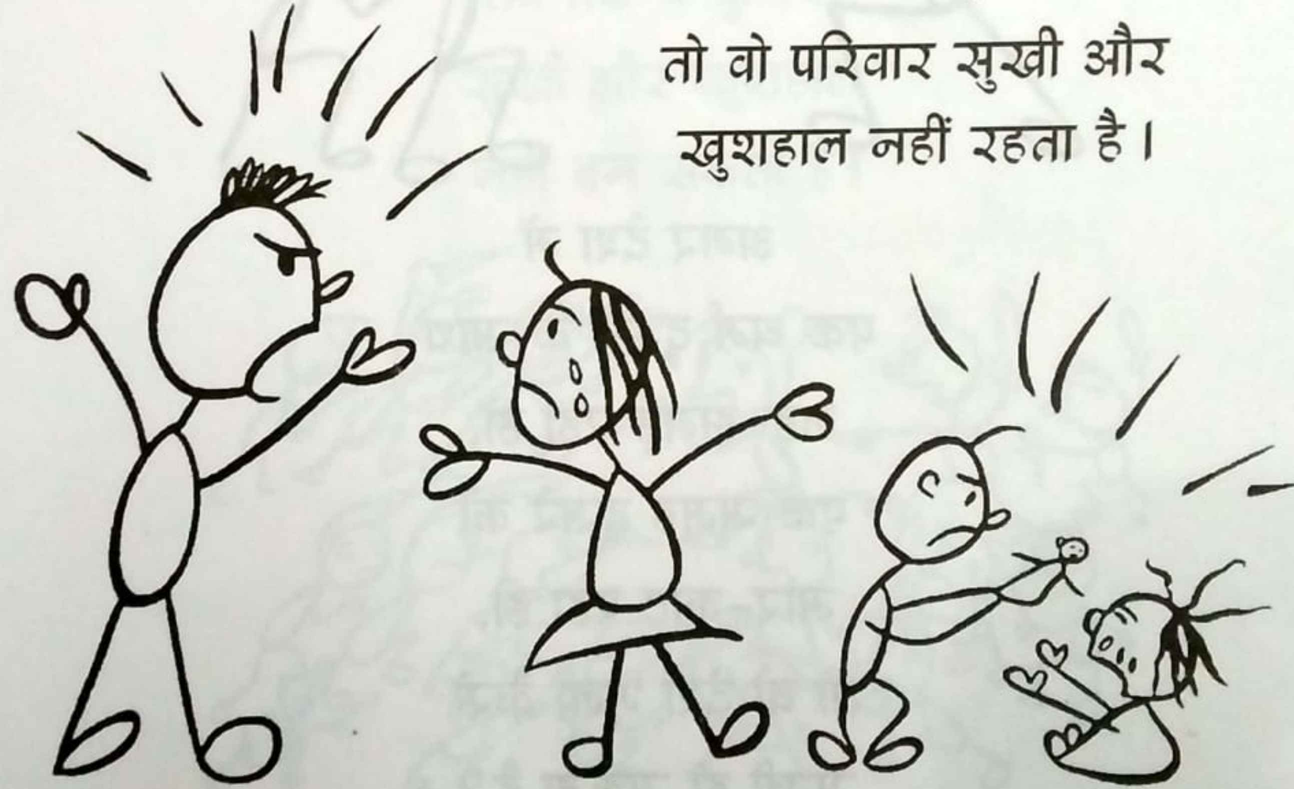


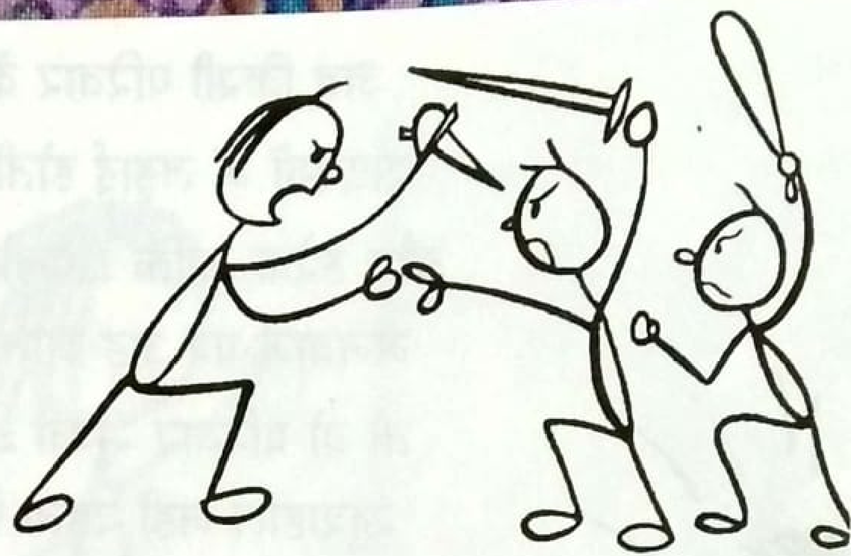
कुछ राष्ट्र बहुत बड़े हैं
तो कुछ देश बहुत छोटे।
परंतु सभी देशों में लोग रहते हैं
जो वहां के कायदे-कानूनों का पालन करते हैं।



चाहें हमारा देश छोटा हो या बड़ा
हम सभी अपने-अपने देश से प्यार
करते हैं और अपनी सरकार के
नियम-कानून मानते हैं।

जब किसी परिवार के
सदस्यों में लड़ाई होती है
और हरेक व्यक्ति अपनी बात
मनवाने पर अड़ जाता है
तो वो परिवार सुखी और
खुशहाल नहीं रहता है।



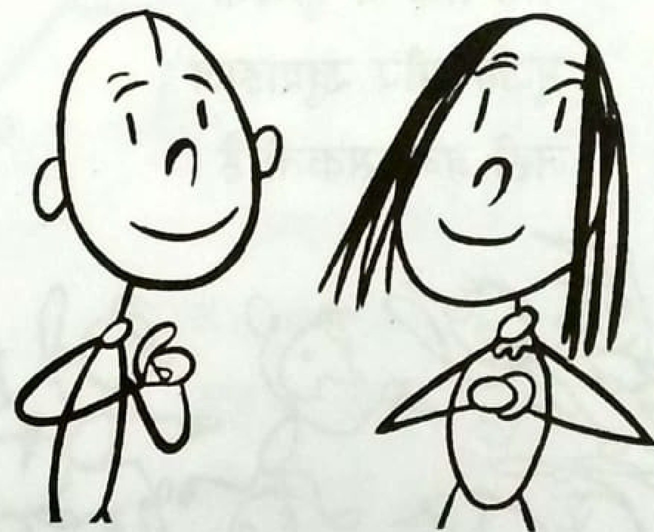


अगर देश में
एक धर्म दूसरे के साथ
लड़-झगड़ रहा हो,
एक समूह दूसरे को
मार-काट रहा हो,
तो वो देश भला कैसे
सुखी हो सकता है?

जब तक देश
आपस में एक-दूसरे
से लड़ते रहेंगे
तब तक ये दुनिया
सुखी और खुशहाल
नहीं बन सकती है।



इसलिए एक भयंकर महायुद्ध के बाद
दुनिया के बहुत से देश आपस में एक साथ मिले।
वे ऐसी राह तलाशने लगे जिससे भविष्य में कभी भी युद्ध न हों।

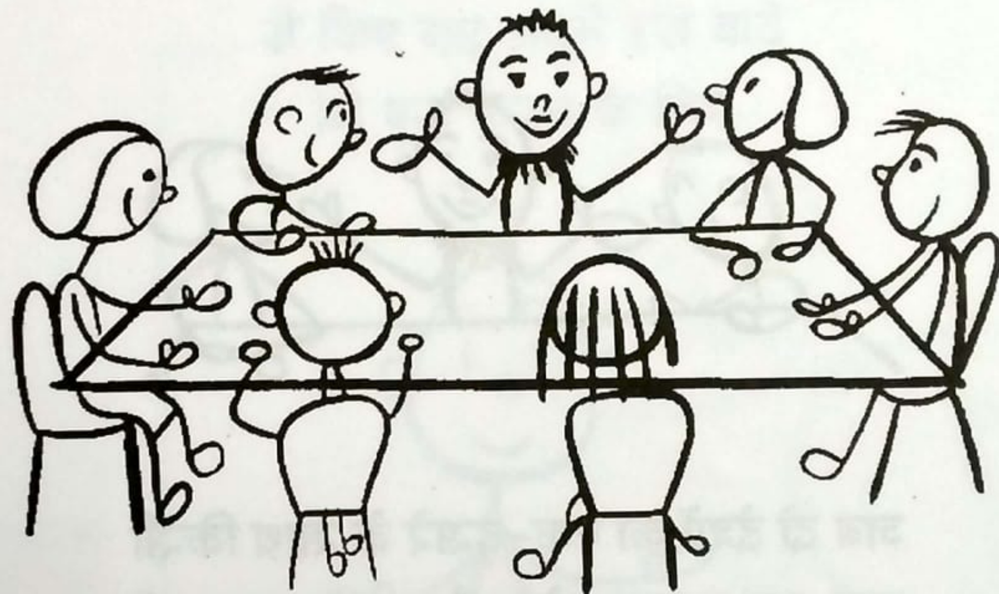


इन राष्ट्रों के आपस में मिलने को

संयुक्त राष्ट्र

के नाम से जाना गया।

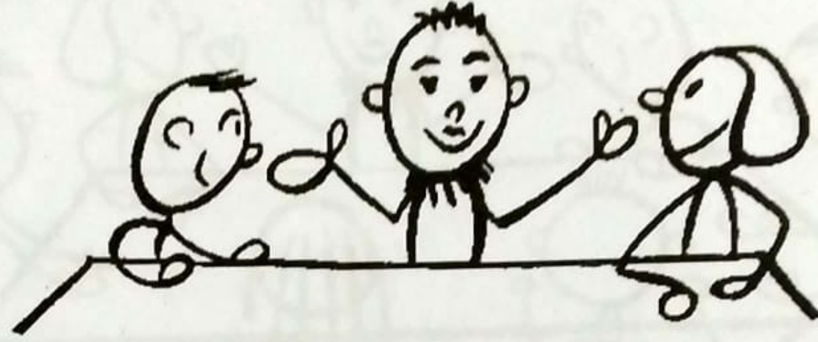
यहां अलग-अलग देशों के नेता एक बड़े और समझदार परिवार के सदस्यों की तरह काम करते हैं।



उन्होंने तत्काल अपने

पहले वादे को पूरा करने का निर्णय लिया।

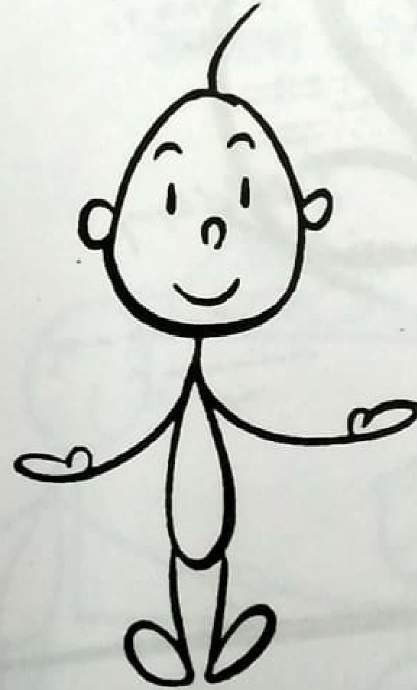
वो अब एक-दूसरे के साथ युद्ध नहीं करेंगे।



जब दो देशों का एक-दूसरे के साथ किसी बात पर झगड़ा होता है, तब आपस में लड़ने की बजाए वे बातचीत करके समस्या को सुलझाने की कोशिश करते हैं।

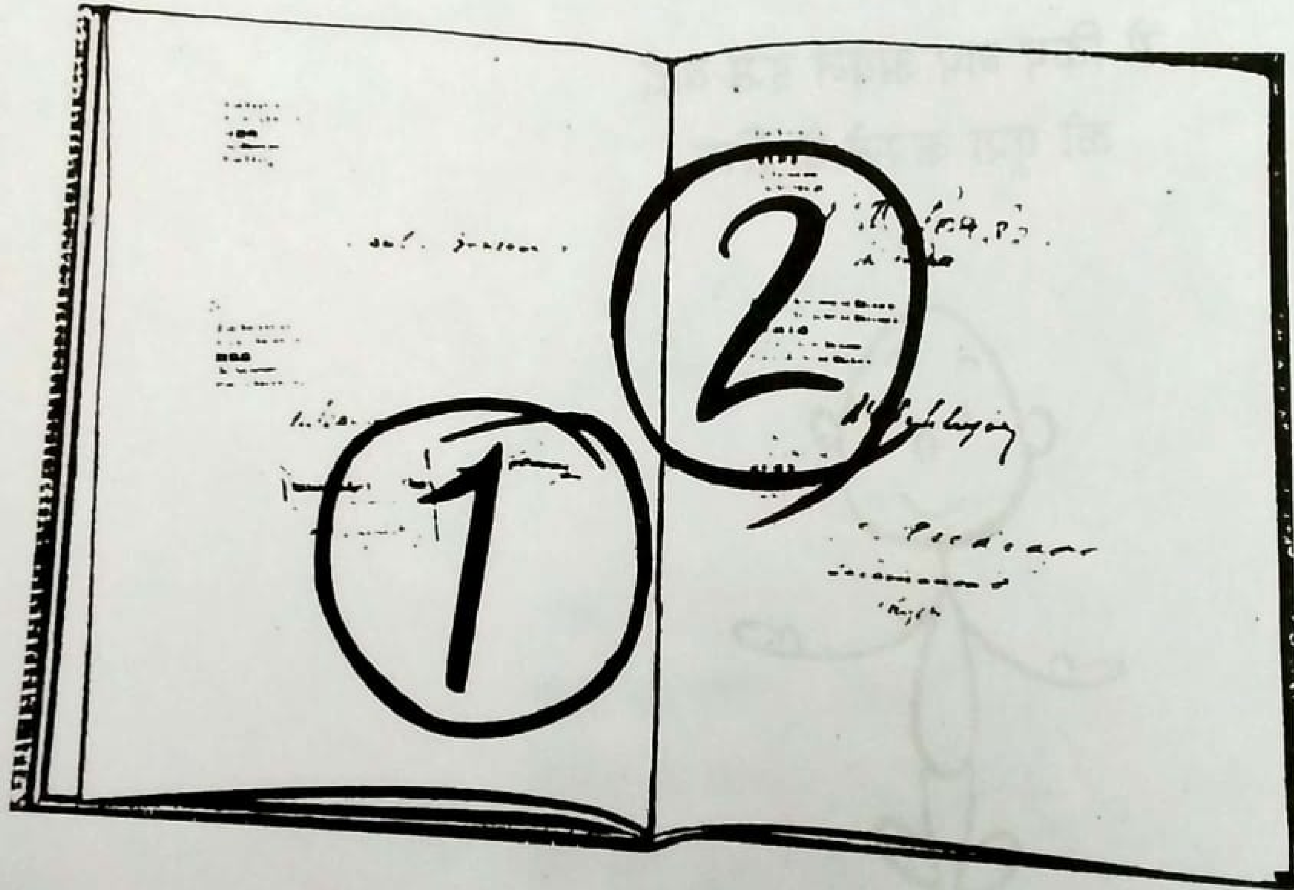
आप

से किए गए अपने इस वादे
को पूरा करने के लिए



संयुक्त राष्ट्र ने

दूसरा वादा किया

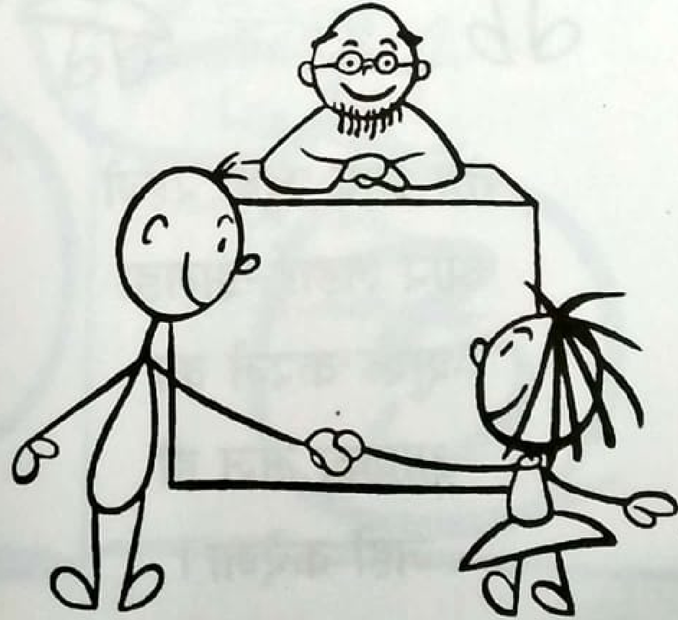


जिससे कि

आप

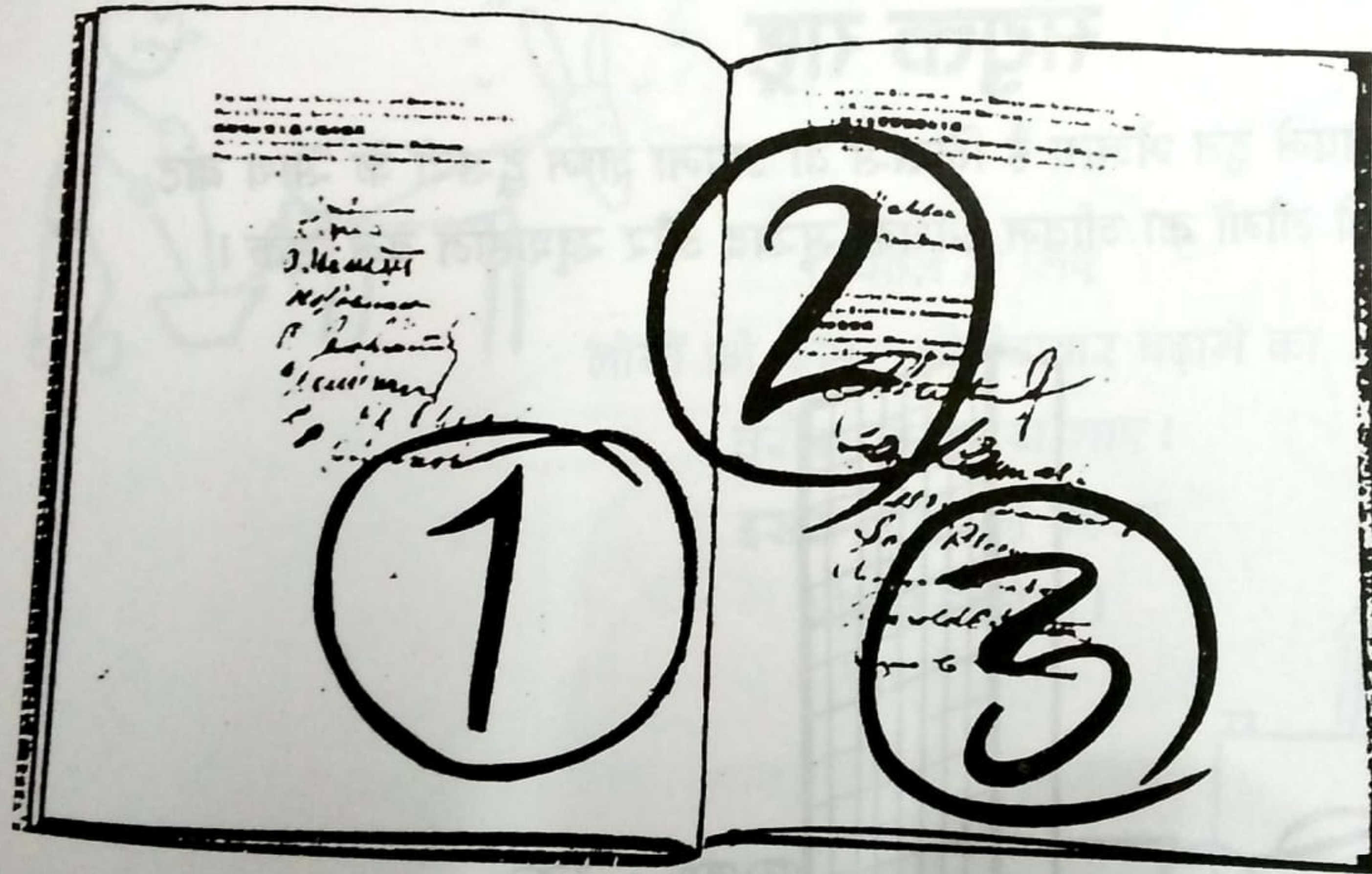
और दुनिया के अन्य सभी
लोगों के साथ
चाहें वो
कमज़ोर हो या ताकतवर,
सभी के साथ
सम्मानजनक
और उचित व्यवहार
किया जाए।

जब लोग,
औरों की तरह
आपका भी
सम्मान करेंगे





तब आप खुश रहेंगे
और लड़ाई-झगड़ा
शुरू करने का
आपका मन ही
नहीं करेगा।



संयुक्त राष्ट्र ने

आप से

एक और

तीसरा वादा

किया–

सब लोग

मिल–जुलकर

एक–दूसरे की

सहायता करें

जिससे सभी लोग एक

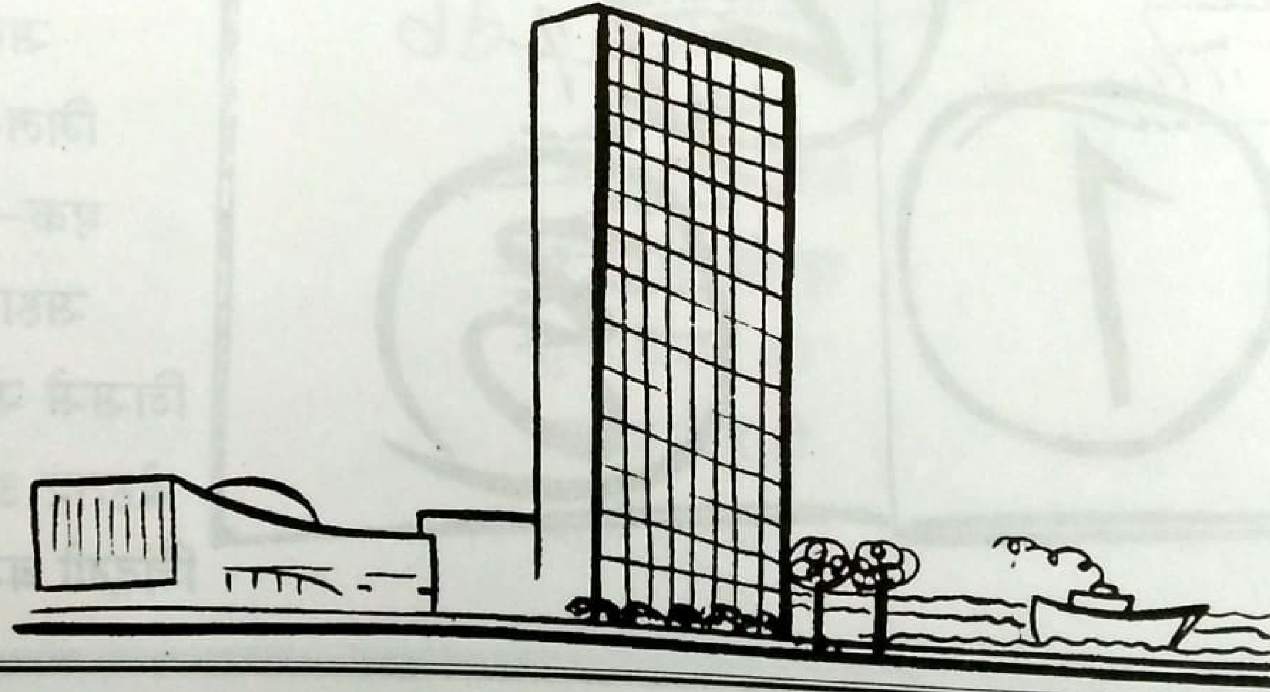
बेहतर और खुशहाल

जिंदगी बसर कर सकें।

इसलिए

संयुक्त राष्ट्र

सारी दुनिया में अपने दूत भेजता है जिससे वो अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांट सकें और सभी लोगों का जीवन अधिक सुखद और खुशहाल बन सके।





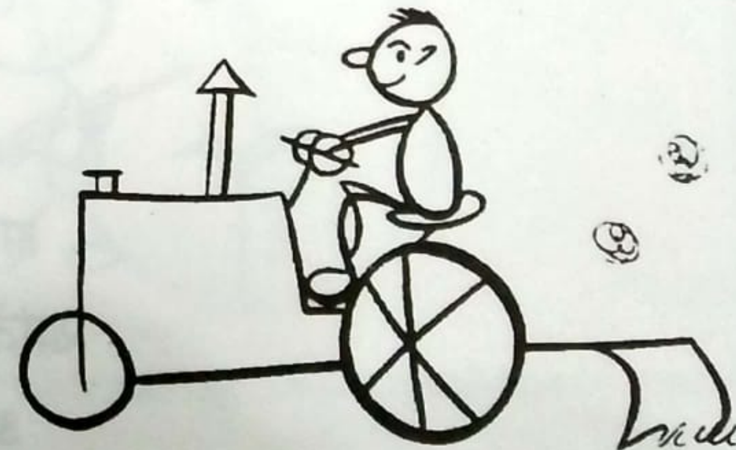
मिसाल के लिए

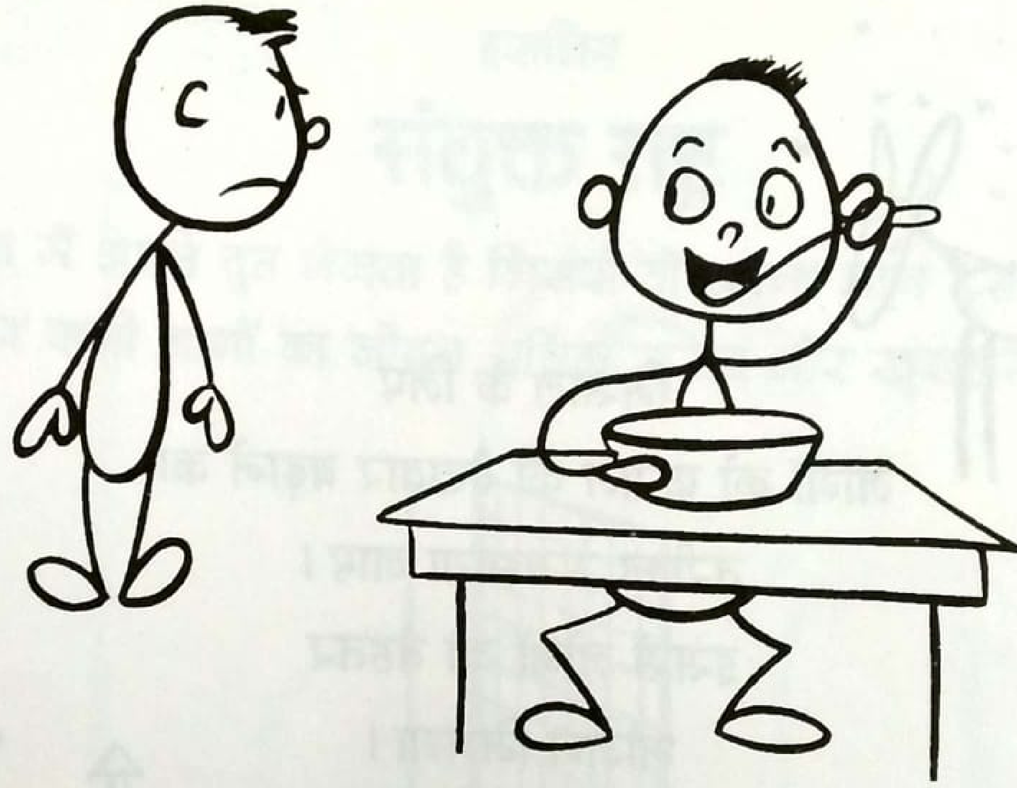
लोगों को फसल की पैदावार बढ़ाने का

तरीका समझाया जाए।

इससे लोगों को बेहतर

भोजन मिलेगा।





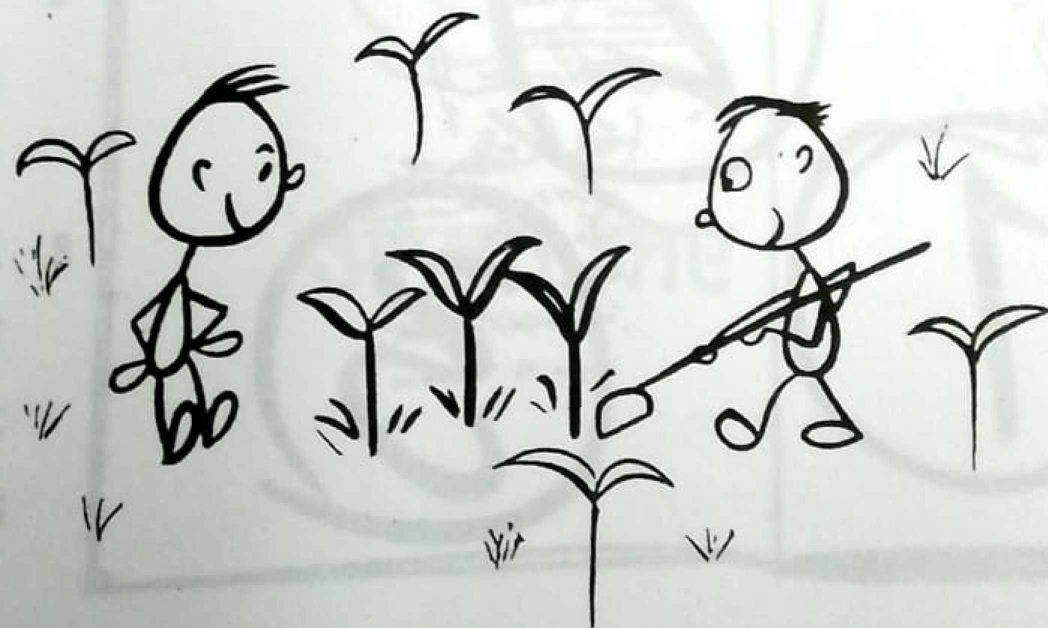
नहीं तो आपको
अच्छा और पौष्टिक खाना
खाते हुए देखकर बाकी लोग
आपसे नफरत करेंगे।

इसीलिए,

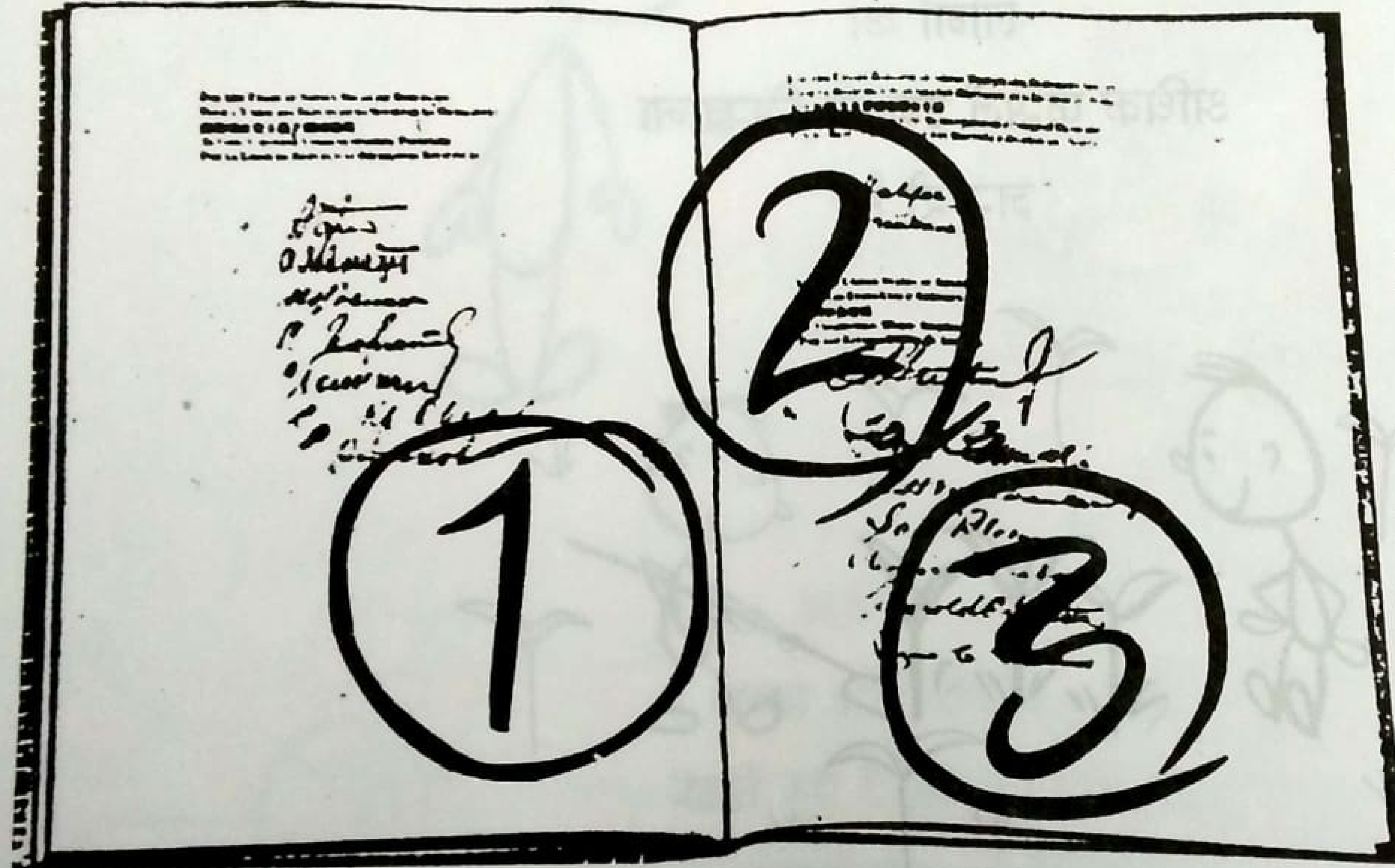
लोगों को

अधिक फसलें उगाना सिखाना

ज़रूरी है !



संयुक्त राष्ट्र



इन तीनों वादों को पूरा करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है।

1 युद्ध बंदी।

2 सभी इंसानों के साथ सम्मानजनक व्यवहार।

3 अपनी जानकारी को सबके साथ बांटकर सभी का जीवन-स्तर बेहतर बनाना।

तीन वादे



आपके लिए



"किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं
किताबों में रॉकेट का राज है
किताबों में साइंस की आवाज है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबों में ज्ञान की भरमार है
क्या तुम इस संसार में नहीं जाना चाहोगे ?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं"

–सफ़दर हाश्मी

जन वाचन आंदोलन

बाल पुस्तकमाला

संयुक्त राष्ट्र क्यों, कब और कैसे बना? चित्रों से भरी बेहद रोचक कहानी। संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया के लोगों से तीन वादे किए थे—

1 युद्ध बंदी।
2 सभी इंसानों के साथ सम्मानजनक व्यवहार।
3 अपनी जानकारी को सबके साथ बांटकर सभी का जीवन-स्तर बेहतर बनाना।

इन तीनों वादों को पूरा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र आज भी दिन-रात काम कर रहा है।

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

मूल्य: 8.00